

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक
उत्तरांचल जल संस्थान,
देहरादून

पेयजल अनुभाग—

देहरादून: दिनांक: २१ मार्च, २००५

विषय:—वित्तीय वर्ष २००४-०५ में ग्रामीण पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार / पुनर्गठन एवं सुदृढीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक ४३४१, दिनांक २२.०३.२००५ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष २००४-०५ में ग्रामीण पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्धार/पुनर्गठन/एवं सुदृढीकरण हेतु निम्नवत् जनपदवार विवरणानुसार रु० ९६६.५७ लाख (रु० नौ करोड़ छियासठ लाख सत्तावन हजार मात्र) की धनराशि को सलग्न बी०एम-१५ के विवरणानुसार बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा व्यर्तन कर व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की राहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रु० लाख में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	अनु० धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि
१	देहरादून	१२४.००	१२४.००
२	पौड़ी	३९.०५	३९.०५
३	बर्गोली	११६.७५	११६.७५
४	रुद्रप्रयाग	६५.००	६५.००
५	टिहरी	७१.६५	७१.६५
६	उत्तरकाशी	५५.५०	५५.५०
८	नैनीताल	६६.७०	६६.७०
९	उधमसिंह नगर	३२.००	३२.००
१०	अल्मोडा	१९४.५०	१९४.५०
११	पिथौरागढ़	१५१.६७	१५१.६७
१२	बागेश्वर	४४.००	४४.००
१३	चम्पावत	०५.७५	०५.७५
	योग:-	९६६.५७	९६६.५७

६२

Xf26

- 2- स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबंधक, उत्तरांचल जलसंस्थान के हरताशर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहरताशर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत कर आहरित की जायेगी।
- 3- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्ही कार्यों पर किया जायेगा जिनके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। स्वीकृत धनराशि ऐसे कार्यों पर कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवाद ग्रस्त हों। दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त योजनाओं के पुनर्स्थापना/पुनर्गठन हेतु वित्त पोषण यदि दैवीय आपदा से हो गया हो तो क्षतिग्रस्त योजनाओं में प्राविधानित धनराशि का उपयोग अन्य योजनाओं के सुदृढीकरण पर शासन की अनुमति से किया जायेगा।
- 4- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल फाईनेन्शियल हैण्डबुक अथवा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों एवं विस्तृत आगणनों पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
5. निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय गुणवत्ता से सम्बन्धित सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का ही होगा।
- 6- प्रस्तावित कार्यों को यथासम्भव ग्रीष्मऋतु से पूर्व सम्पन्न कराना सुनिश्चित करते हुए कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के मासिक/त्रैमासिक विवरण नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय। ग्रीष्मकाल के समाप्त होने पर कार्यवार व्यय विवरण व कार्य की भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 8- यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि जनपदवार उन्ही योजनाओं पर धनराशि व्यय की जाए जिनके लिए स्वीकृति दी जा रही है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय नहीं की जायेगी यदि ऐसा पाया जाता है तो सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/विभागाध्यक्ष का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा।
- 10- उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215- जलपूर्ति तथा सफाई-01 - जलपूर्ति- आयोजनागत - 102 -ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम -91-जिलायोजना -02- ग्रामीण पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं का जीर्णोद्धार -20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे" डाला जायेगा।
- 11- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं० 1176/वि०अनु०-3/2005 दिनांक- 29 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

XOL

(कुंवर सिंह)

अपर सचिव

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ पौड़ी/नैनीताल।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून/सगरत जनपदै।
- 4- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, /पौड़ी/नैनीताल।
- 5- कोषाधिकारी, देहरादून।।
- 6- अध्यक्ष, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 7- प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 9- निजी सचिव/मा0 मुख्यमंत्री/मा0 पेयजल मंत्री, उत्तरांचल।
- 10- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 11- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से



(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

